भारत में औपनिवेशिक साम्राज्य का विस्तार - पार्ट-2

अंग्रेजो व पंजाब के मध्य संघर्ष

पंजाब का शासक → रणजीत

1809 लोनी ने घोषणा

⇓

लाहौर की तरफ कोई आक्रमण हुआ तो उसका परिणाम बुरा होगा।

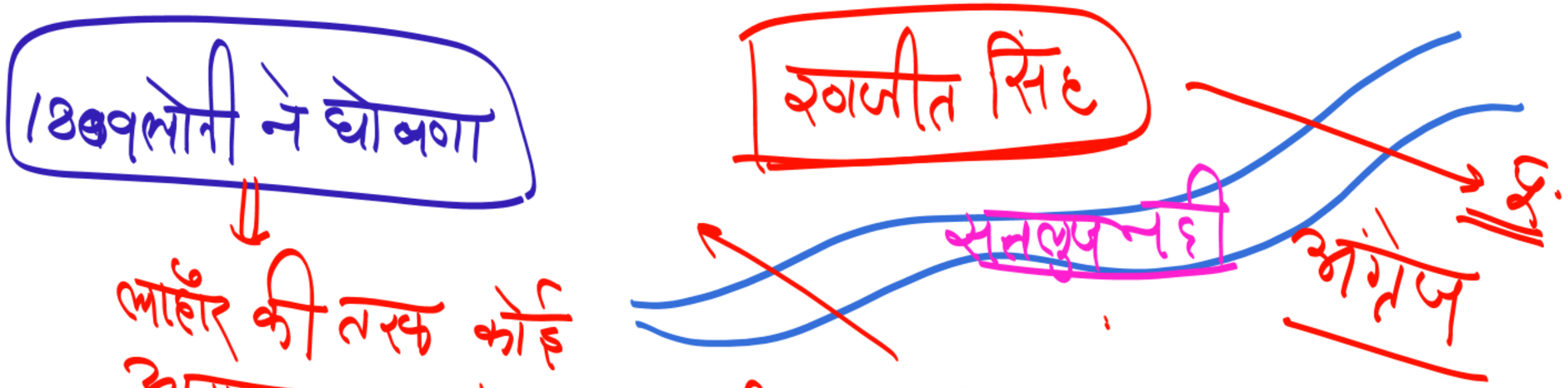

Imp

25 अप्रैल 1809 — रणजीत सिंह अंग्रेजो से हार

अमृतसर की संधि

1. - रणजीत सिंह का क्षेत्र

सतलुज के पूर्व अंग्रेजो का शासन

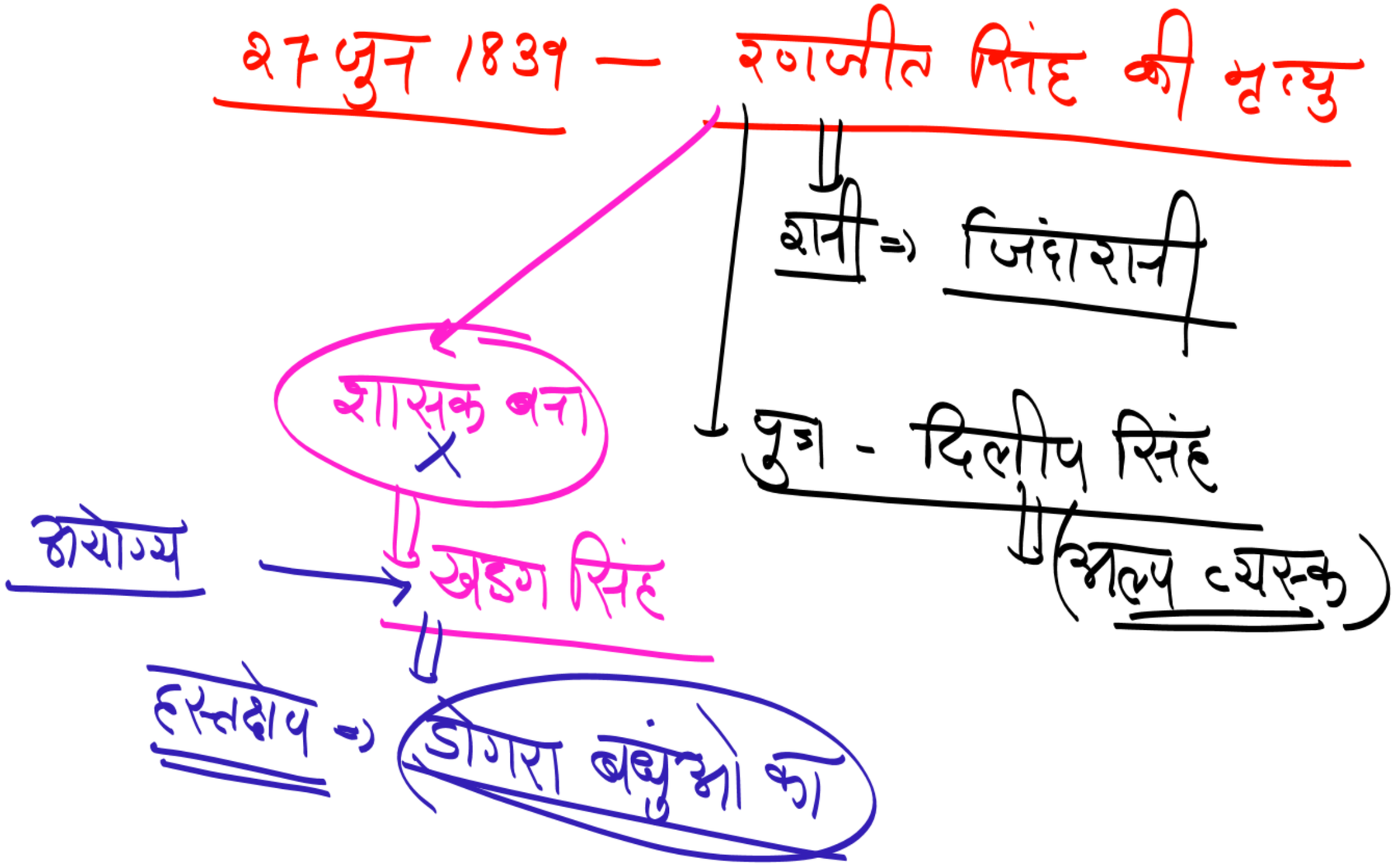

27 जुन 1839 — रणजीत सिंह की मृत्यु

रानी ⇒ जिंदारानी

पुत्र - दिलीप सिंह (अल्प वयस्क)

शासक बना ✗

अयोग्य → खड्ग सिंह

हस्तक्षेप ⇒ डोगरा बंधुओं का

प्रथम - आंग्ल - सिक्ख युद्ध — 13 दिस. 1845

लार्ड हार्डिंग्स ⇐ युद्ध की घोषणा

10 फरवरी 1846 - सबराओं का युद्ध

- अंग्रेज — जीत
- सिक्ख — हार

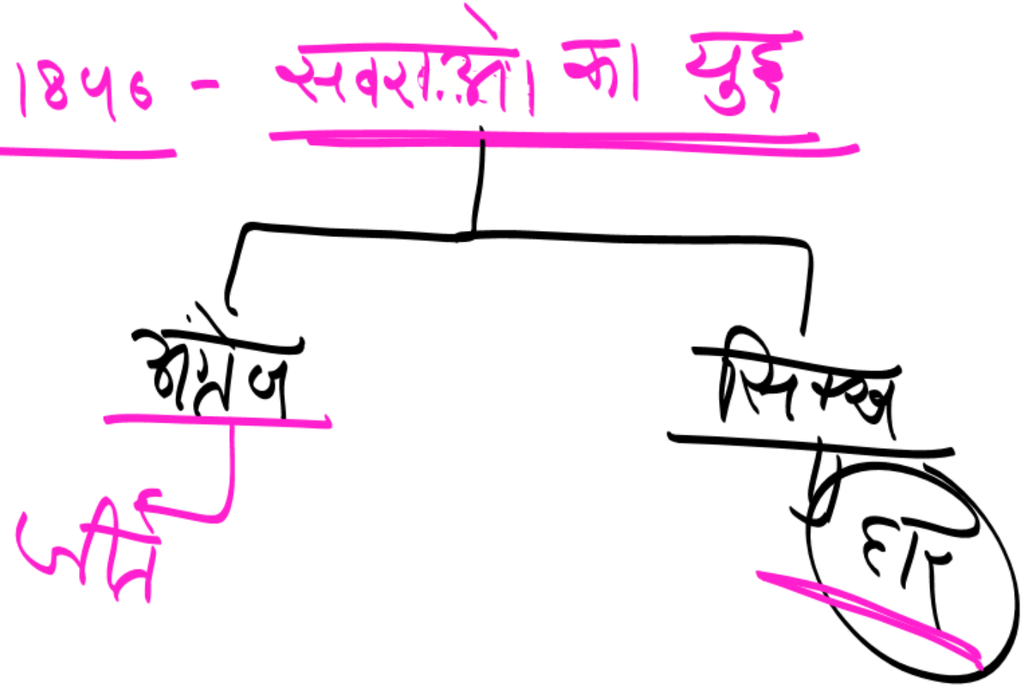

13 फरवरी 1846 ⇒ अंग्रेजो का लाहौर पर अधिकार

1 मार्च 1846 ⇒ लाहौर की संधि

जालन्धर का दोआ - अंग्रेजो के पास

1 करोड 50 लाख रुपया - युद्ध हर्जाना

अंग्रेजो ने पंजाब का गवर्नर बनाया ⇒ दिलीप सिंह

26 दिस. 1846 — भैरोवाल की संधि

⇓

इस संधि के द्वारा अंग्रेज पंजाब के बड़े दोआब के स्वामी बन गए।

द्वितीय भाग - सिख संघर्ष

(17) कारण :- ① सिख सैनिको की संख्या मे कमी

② रानी जिंदा के अधिकारो मे कमी

③ सिख विरोधी सुधार कार्य

अंग्रेजो की प्रमुख नीतियाँ

① सहायक संधि :-

प्रारम्भ :- लार्ड वेलेजली

→ 1798

① इस संधि के अनुसार संधि करने वाले राजाओ को अपनी सेना समाप्त करनी होगी।

② इन राजाओ को अंग्रेजो द्वारा सैन्य सहायता दी जाएगी।

③ राजाओ किसी अन्य राजाओ के साथ में यदि युद्ध व सन्धि करनी है तो पहले अंग्रेजो से इजाजत लेनी होगी।

* सहायक संधि स्वीकार करने वाले राज्य :-

IMP प्रथम रियासत :- 1798 - हैदराबाद

मैसूर - 1799

अवध ← 1801

पेशवा ← 1802

* हड़पनीति / विलय नीति / व्यपगत नीति /
गोदप्रथा निषेध नीति (Doctoine of Lapse)

प्रारम्भ :- लार्ड डलहौजी (1848)

* विलय नीति के तहत अंग्रेजी साम्राज्य में मिलाए गए राज्य :-

प्रथम रियासत :- ① सतारा (1848)

② सम्भलपुर (1849)

③ जैतपुर (1849)

④ उदयपुर (1852)

⑤ झाँसी (1853)

⑥ नागपुर - 1854

अवध - 1856

कुप्रशासन का आरोप लगाकर मिलाया गया

MP

* स्थायी बंदोबस्त / इस्तमरारी व्यवस्था / जमींदारी व्यवस्था (Parmanet land Revenu System)

IMP ⇒ प्रारम्भ :- 1790 - कार्नवॉलिस ⇒ प्रारम्भ - 10 वर्ष के लिए

1793 ⇒ कॉर्नवालिस ने इसे स्थायी कर दिया।

कर वसूली का अधिकार ⇒ जमींदार

⇒ सूर्यास्त का नियम :-

1794

भारत के 19% भाग पर स्थायी बंदोबस्त

↓

बंगाल, बिहार, उड़ीसा

बनारस व उत्तरी कर्नाटक

✗ **रैय्यतवाड़ी प्रथा :-** 1792 — मद्रास ⇒ बारामहल जिला

प्रारम्भ :- ① थामस मुनरो → अलेक्जेंडर
② कर्नल रीड

कर्नल रीड - 1792 — मद्रास के बारामहल से प्रारम्भ

थामस मुनरो - 1820 ⇒ सम्पूर्ण मद्रास मे लागु

⇒ भारत के 51% भु-भाग पर लागु की

सम्पूर्ण द. भारत मे भारत मे लागु

रैय्यत => किसान

→ जमीन का मालिक

कर वसुली सीधा किसानो से होगी

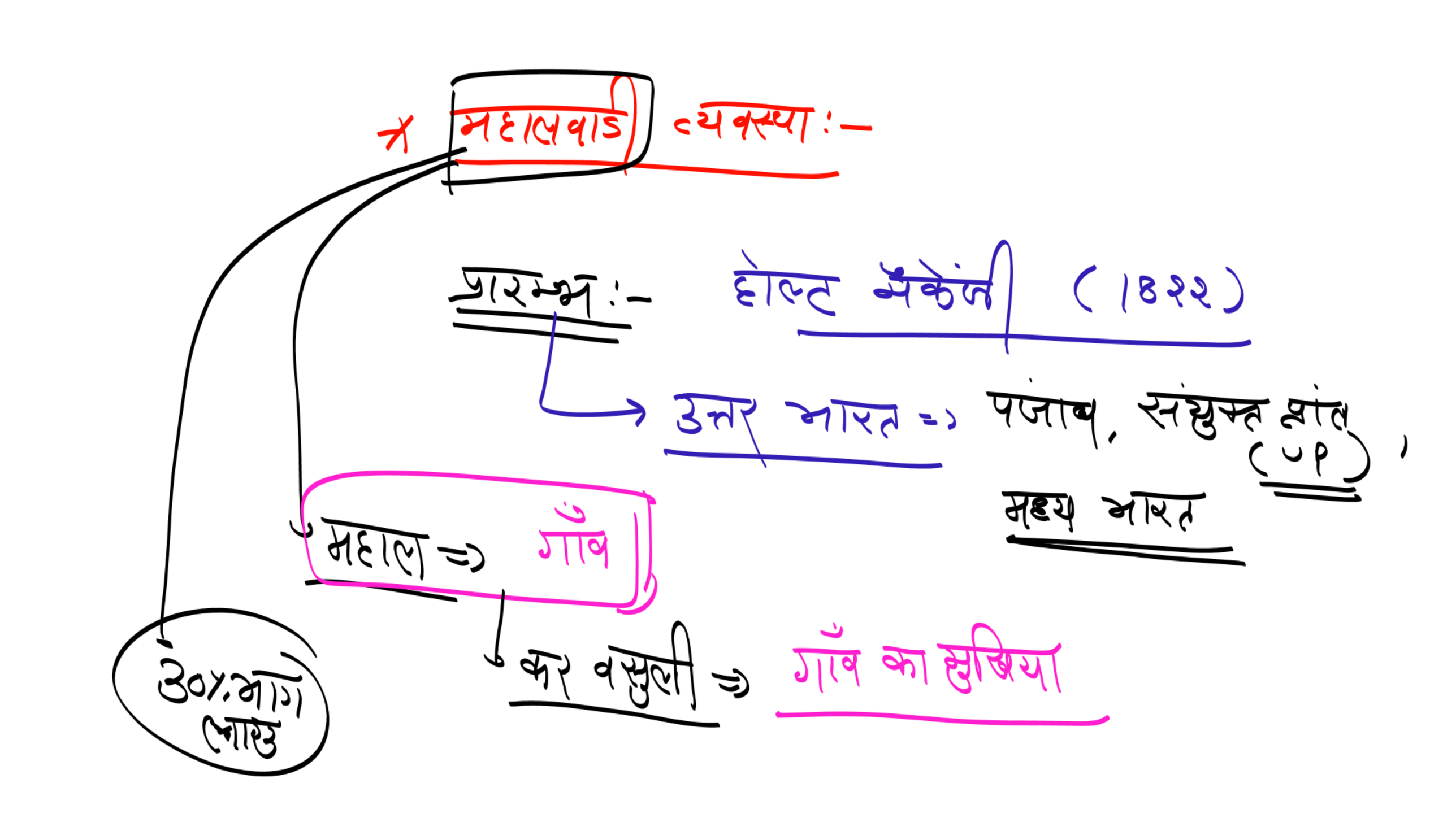

* महालवाड़ी व्यवस्था :-

प्रारम्भ :- होल्ट मैकेंजी (१८२२)

→ उत्तर भारत => पंजाब, संयुक्त प्रांत (UP), मध्य भारत

महाल => गाँव

कर वसूली => गाँव का मुखिया

30% भाग लगान

(1) अंग्रेजो ने प्रथम - आंग्ल युद्ध मे सिक्खो को पराजित कर अमृतसर की संधि की तथा सिखो की सेना मे सैनिको की संख्या सीमित कर उनकी शक्ति को कमजोर करने की कोशिश की।

10 नवम्बर 1848 ⇒ लार्ड डलहौजी ने सिक्खों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी।

सिक्खों ने आत्म-समर्पण कर दिया

२१ मार्च १८५१ ⇒ डलहौजी द्वारा सम्पूर्ण पंजाब को अंग्रेजी साम्राज्य का भाग बनाने की घोषणा की जाती है।